तम(भट्टमीमांसक के अनुसार)

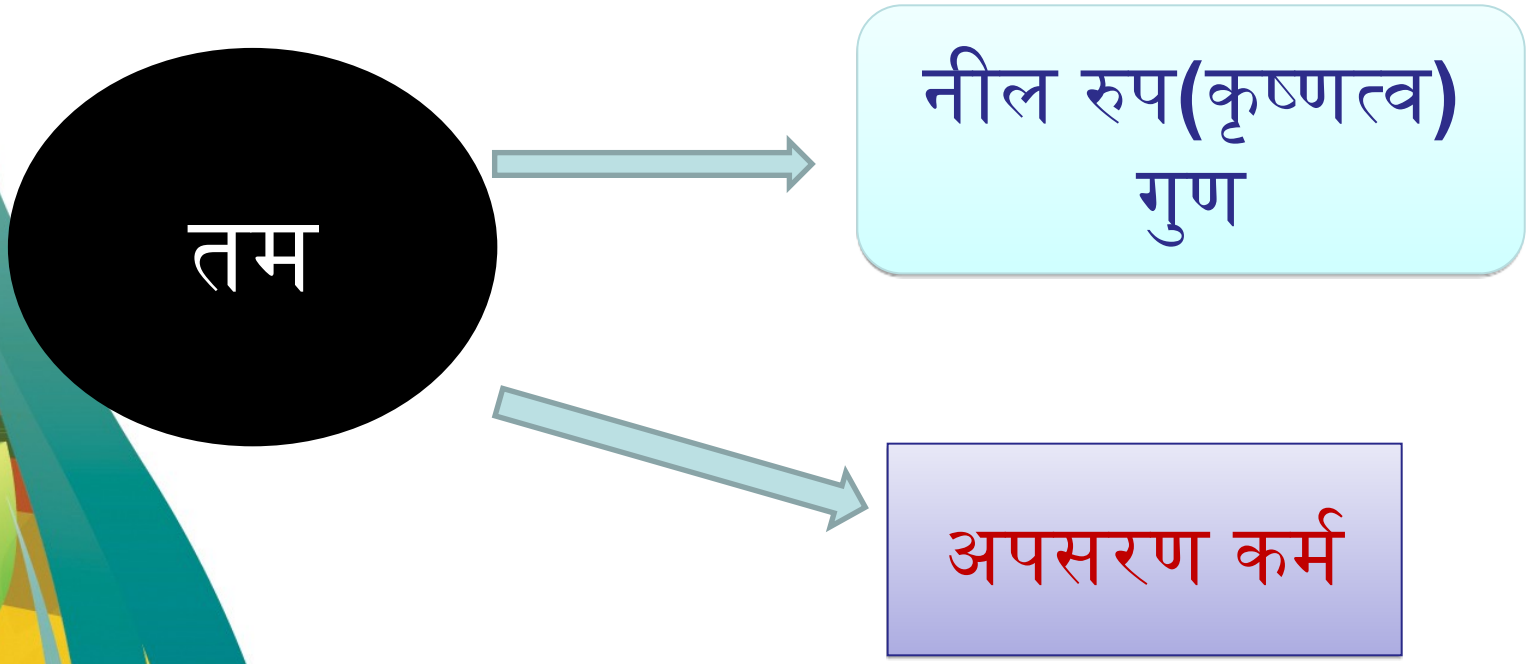

तम का अन्य द्रव्यों मे अन्तर्भाव न होने के कारण

आकाश का रुप रहित गुण

वायु का रुपरहित स्पर्शवान गुण

अग्नि(उष्ण व स्पर्शवान गुण)

आत्मा चेतन व ज्ञानी

पृथ्वी(गन्ध)

जल(स्पर्श व शीत)

मन अणु,एक

काल सर्वव्यापक व रुपरहित

दिशा रुपरहित व विभु

वैशेषिक आचार्यो के अनुसार खण्डन

- प्रकाश का अभाव अन्धकार
- नील रुपत्व तथा अपसरण भ्रममात्र

त्रिदोष,त्रिगुण का पंचभौतिकत्व

त्रिदोष	महाभूत	त्रिगुण
वात	वायु,	रजो बहुल
	आकाश	सत्व बहुल
पित्त	अग्नि	सत्वरजो बहुल
कफ	जल,	सत्वतमो बहुल
	पृथ्वी	तमो बहुल

देह प्रकृति

१. वात प्रकृति

२. पित्त

३. कफ

४.वात-पित्त

५. वात-कफ

६. पित्त-कफ

७.सन्निपातज

मानसिक प्रकृति

सात्विक प्रकृति	राजसिक प्रकृति	तामसिक प्रकृति
ब्राह्म सत्व	आसुर	पशु
आर्ष	पिशाच	मत्स्य
ऐन्द्र	राक्षस	वनस्पति
याम्य	सर्प	
कौबेर	प्रेत	
गान्धर्व	शकुनि	

मानसिक प्रकृति

सात्विक प्रकृति	राजसिक प्रकृति	तामसिक प्रकृति
ब्राह्म सत्व	आसुर	पशु
आर्ष	पिशाच	मत्स्य
ऐन्द्र	राक्षस	वनस्पति
वारुण	सर्प	
याम्य	प्रेत	
कौबेर	शकुनि	
गान्धर्व		

Thank You